स्पन्दन

जनजाति राज्य मंत्री राजस्थान सरकार के सुझावानुसार तथा आयुक्त, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग,उदयपुर की संकल्पना अनुसार विभाग के आवासीय विद्यालय/आश्रम छात्रावास तथा खेल छात्रावास में अध्यनरत कक्षा 9 से 12 तक छात्र–छात्राओं हेतु परीक्षा उपरान्त ग्रीष्मकालीन अधिगम शिविर ''स्पन्दन''– एक अभिनव प्रयास का आयोजन दिनांक 30.04.2019 से 06.05.2019 तक किया गया। उक्त आयोजन जनजाति उपयोजना क्षेत्र के समस्त पॉच जिलों में किया गया।

शिविर

स्पंदन

शिविर में मुख्य रूप से केरियर मार्गदर्शन, व्यक्तित्व विकास, संगीत, नाट्य, चित्रकला, क्राफ्ट, योग, आत्मरक्षा, कौशल विकास के साथ–साथ जनजाति संस्कृति, परम्पराएं, लोकाचार, रूठीया, जनजाति के प्रमुख आर्दश/विभूतियॉ,समाज सुधारक, देशभक्त, संत, वीर, खेलरत्न, पर्यावरण रक्षक आदि पर प्रायोगिक रूप से विविध सत्रों में छात्र–छात्राओं को अधिकाधिक रूप से ''कर के सीखने'' के अवसर प्रदान किए गये।

काष्ठ कला

सांस्कृतिक कार्यक्रम

राजस्थानीचित्रकारी

हस्तछपाई

शिविर में विशेष कर छात्राओं को आत्मरक्षा तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (सेनेट्री नेपकीन) पर विशेष सत्रों में प्रायोगिक अनुभव प्रदान किए गये।

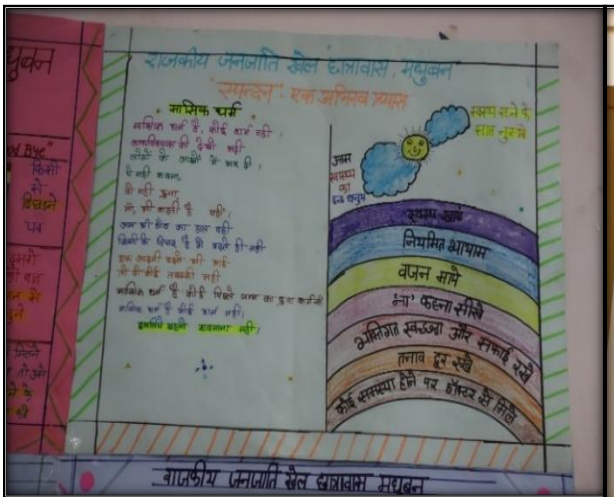

मासिक धर्म एक जानकारी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण

व्यायाम

जुडोमार्शलआर्ट

केरियर मार्गदर्शन के तहत् विषय के चयन छात्र–छात्राओं की अभिरुचि तथा अभिवृत्ति को परखा गया तद्नुसार कक्षा 10 तथा 12 उपरान्त केरियर के तौर पर विभिन्न विकल्पो व अवसरो पर विस्तृत तथा गहन जानकारी साझा की गई।

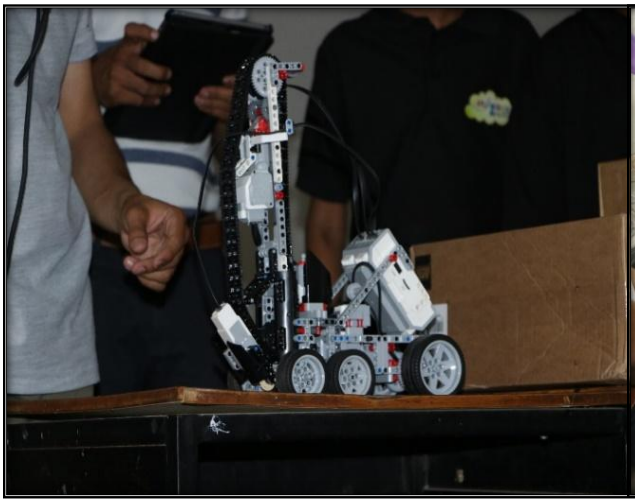

मॉडल प्रदर्शनी

अनुप्रयोग

वैज्ञानिक प्रयोग की जानकारी

जनजाति संस्कृति में प्रचलित परम्परागत रंगोली व माण्डने के जीवन्त सत्र में छात्र–छात्राओं ने बढ–चढकर भाग लिया। इस विधा में छात्र–छात्राओं ने समसामायिक विषयों पर अपनी रचनात्मकता/सृजनशीलता दिखाते हुए विविध रूपा जनजाति संस्कृति को अपने हुनर से जीवन्त रूप मे उखेरा। इस प्रकार कार्य करने का यह पहला अवसर उन्हे मिला

राजस्थानी शिल्प कला (सृजनशीलता-I)

राजस्थानी शिल्प कला (सृजनशीलता-II)

मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों तथा रंगकर्मी/नाट्य कर्मियों ने छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व को उभारने तथा निखारने का सार्थक प्रयास किया, विशेष रूप से अभिव्यक्ति कौशल आत्मविश्वास, उच्चारण की दक्षता को नाट्य विद्या के माध्यम सहज में विकसित करने का प्रयास किया था।

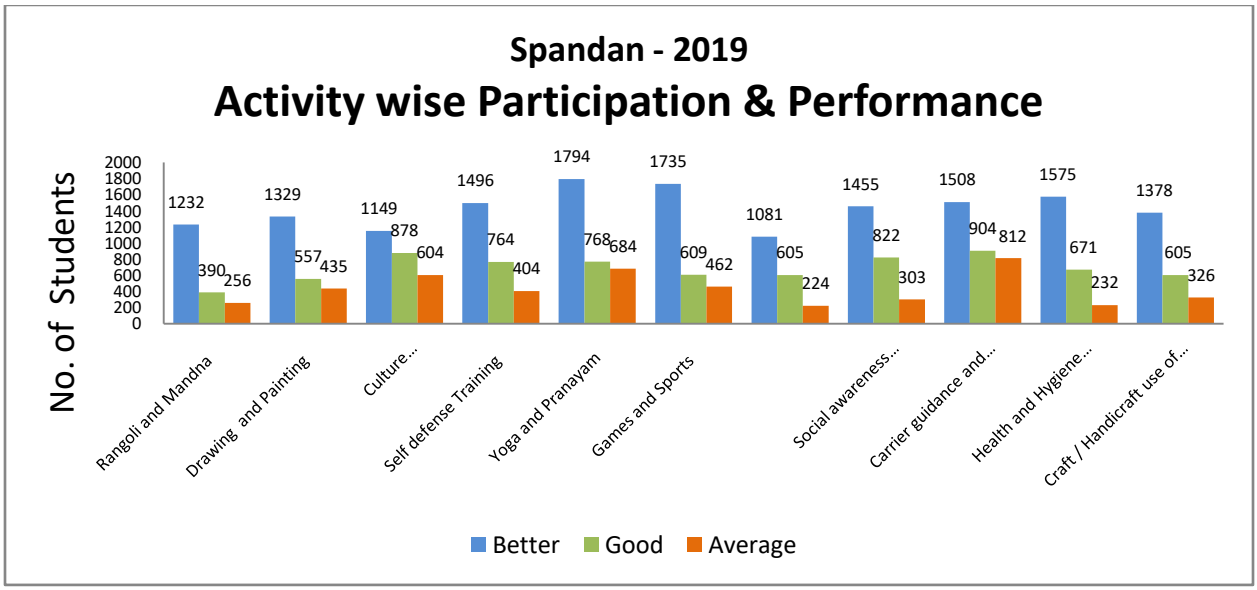

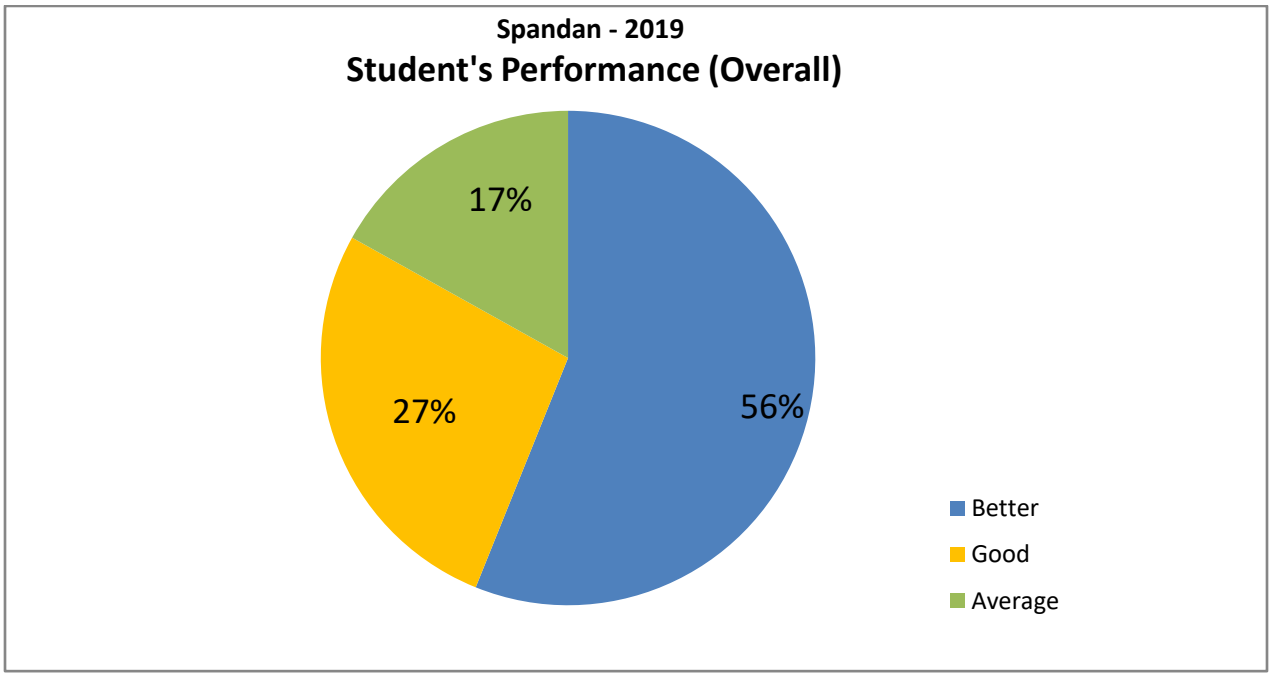

S. No.	Activities	Boys	Girls	Total Students	Performance		
					Better	Good	Average
1	Rangoli and Mandna	750	1128	**1878**	1232	390	256
2	Drawing and Painting	998	1323	**2321**	1329	557	435
3	Culture activities, Theater, Drama, dance , Skits	1196	1435	**2631**	1149	878	604
4	Self-defense Training	1187	1477	**2664**	1496	764	404
5	Yoga and Pranayam	1414	1832	**3246**	1794	768	684
6	Games and Sports	1284	1522	**2806**	1735	609	462
7	Playing folk musical instruments	292	356	**1910**	1081	605	224
8	Social awareness regarding cleanliness and Gender Sensitization.	1123	1457	**2580**	1455	822	303
9	Carrier guidance and Personality development	1412	1812	**3224**	1508	904	812
10	Health and Hygiene awareness.	1061	1427	**2478**	1575	671	232
11	Craft / Handicraft use of waste material	838	1332	**2309**	1378	605	326
Total		**11555**	**15101**	**28047**	**15732**	**7573**	**4742**

कवितापाठ

नाट्य कला

संगीत व नृत्य के माध्यम से छात्र–छात्राओं को परम्परागत जनजाति नृत्य व संगीत के साथ–साथ राजस्थानी व राष्ट्रीय सर्दर्भों में विविध अनुभव से गुजारते हुए उन्हे दैनिक प्रथानाएँ, राष्ट्रगीत एव ंराष्ट्रगान को मापदण्डानुसार उचित तरीके से गायन का अभ्यास कराया गया। आज के बच्चे ''कल का भारत'' थीम पर विविध संगीतात्मक एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतिया छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई।

समूहगान

घूमरनृत्य

कौशल विकास एवं रोजगार पर रचनात्मक–सृजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की रचना शीलता उभारने का प्रयास किया गया।

छात्र–छात्राओं को बुक बाईडिंग,मकरम आर्ट, बन्धेज, टाई एवं डाई आदि के माध्यम से छात्र–छात्राओं सक्रिय भागीदारी करते हुए रोजगार के अवसर के रूप में विविध सामग्री का निर्माण किया।

हस्तकला-।

हस्तकला-॥

सभी छात्र–छात्राओं को जनजाति संस्कृति के विविध रंगो से प्रत्यक्ष रूबरू कराया गया इस के तहत् जनजाति परम्पराएँ, लोकाचार, विश्वास रूढिया, नृत्य, गीत, तथा संगीत, लोकनाट्य के साथ–साथ राज्य और राष्ट्रीय स्तर की जनजाति की महान विभूतियों पर आधारित चर्चा/अनुभव साझा किये। प्रत्येक विद्यालय एवं छात्रावास स्तर पर इन विभूतियों पर आधारित चित्र तथा उनका संक्षिप्त परिचय देते हुए स्क्रेप बुक तैयार की गयी।

सृजनात्मक एवं रचनात्मक प्रदर्शनी-।

सृजनात्मक एवं रचनात्मक प्रदर्शनी-॥

कार्यक्रम के अंतिम दिवस छात्र–छात्राओं द्वारा निर्मित रचानात्मक एवं सृजनात्मक सामग्री की भव्य प्रदर्शनी लगायी गयी। विगत सात दिनों में जो कुछ उन्होने सीखा/अनुभव किया उसकी मनोहरी प्रस्तुति संगीत नृत्य, नाट्य, माईम, आदि के माध्यम से दी गई।

जनजाति विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर''स्पन्दन'' एक अभिनव प्रयास शानदार पहल के रूप में रेखांकित किया जा सकता है।इसमे भाग लेने वाले अधिंकाश छात्र–छात्राएँ सुदूर एवं दुगर्म क्षेत्र से है।इन छात्र–छात्राओं के लिए निश्चित रूप से पहला अनुभव रहा है।

स्पंदन समापन

''स्पन्दन'' के माध्यम से इन्हे विविध गतिविधियों के द्वारा अपने आपको सही मायने में अभिव्यक्त करने का अवसर मिला। जहॉ उन्हे अपने आपको अभिव्यक्त करने के अत्यन्त सीमित अवसर भी मुश्किल से मिलते है। इन बच्चों को पहली बार ग्रामीण वातावरण से शहरी वातावरण में आकर विभिन्न विषय विशेषज्ञों के माध्यम से अपने सपनो को साकार करने का अवसर प्राप्त हुआ।उक्त शिविर निश्चित रूप से जनजाति विभाग के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। सभी छात्र–छात्राओं ने इसकी अवधि और बढाए जाने का अनुरोध किया साथ ही इस प्रकार की व्यक्तित्व विकास तराशने की गतिविधियों को विभाग द्वारा नियमित किया जाए जो इस के बहुत की सकारात्मक तथा दूरगामी गुणात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकेंगे। ''स्पन्दन'' अपने नाम को सार्थक करता हुआ प्रतीत हुआ।